

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4461
जिसका उत्तर 27 मार्च, 2025 को दिया जाना है।

.....
जलवायु परिवर्तन के कारण कश्मीर में जल की कमी

4461. श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार को कश्मीर में हाल ही में उत्पन्न जल संकट तथा झरनों और नदियों के सूखने की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (ख) विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान कश्मीर में भू-जल स्तर, हिमनदों के पिघलने की दर और औसत वार्षिक वर्षा संबंधी आंकड़े क्या हैं और जल उपलब्धता के बारे में जिलावार आंकड़े क्या हैं; और
- (ग) सरकार द्वारा इस क्षेत्र में पानी की कमी को दूर करने और जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों का समाधान करने के लिए क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

श्री राज भूषण चौधरी

(क): जम्मू और कश्मीर सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, कश्मीर में कोई व्यापक जल संकट नहीं है। हालाँकि, कुछ जल स्रोत, विशेष रूप से झरने समाप्त हो गए हैं / सूख गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप इन स्रोतों से पानी प्राप्त करने वाले कुछ क्षेत्रों में पेय जल की कमी हो गई है। हालाँकि, सरकार ने वैकल्पिक माध्यमों से सभी निवासियों को पेय जल उपलब्ध कराया है। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर सरकार ने बताया है कि हाल के दिनों में भारी वर्षा हुई है, जिससे झरने/नाले के स्रोत पुनः भर गए हैं, जिससे जल उपलब्धता बढ़ गई है। केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) प्रत्येक वर्ष मार्च/अप्रैल/मई, अगस्त, नवंबर और जनवरी के माह के दौरान कश्मीर सहित पूरे देश में क्षेत्रीय स्तर पर भूजल स्तर की निगरानी करता है। डग वेल्स और पीजोमीटरों की निगरानी के अलावा, केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) कश्मीर के पहाड़ी क्षेत्रों में छह झरनों की भी निगरानी करता है। नवंबर 2023 और नवंबर 2024 के बीच इन झरनों की डिस्चार्ज दरों की तुलना **अनुलग्नक-I** में प्रस्तुत की गई है। आंकड़ों से पता चलता है कि बारामुल्ला, श्रीनगर और कुलगाम जिलों में वसंत ऋतु में पानी का बहाव कम हुआ है। इसके विपरीत, गांदरबल जिले में डिस्चार्ज स्तर में सुधार देखा गया है।

(ख): कश्मीर के संबंध में पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान भूजल स्तर के जिला-वार आंकड़े **अनुलग्नक-II** में प्रस्तुत किए गए हैं। जैसा कि जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा सूचित किया गया है, ग्लेशियर पिघलने की दर पर अनुसंधान विभिन्न संगठनों द्वारा किया जाता है, जिनमें कश्मीर विश्वविद्यालय जैसे शैक्षणिक संस्थान भी शामिल हैं। पर्यावरण और रिमोट सेंसिंग विभाग की सेटेलाइट इमेजरी से संकेत मिलता है कि क्षेत्र के कई ग्लेशियर पीछे हट रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा उपलब्ध कराए गए पिछले पांच वर्षों के वार्षिक औसत वर्षा के आंकड़े **अनुलग्नक-III** में संलग्न हैं। इसके अतिरिक्त, यूटी स्पैटियल एटलस ऑफ वॉटर (यूटीएसएपी ऑन वॉटर) में दर्ज जिला-वार जल उपलब्धता के आंकड़े **अनुलग्नक-IV** में संलग्न हैं। कश्मीर के संबंध में पिछले 5 मूल्यांकन वर्षों

अर्थात भूजल संसाधन मूल्यांकन (जीडब्ल्यूआरए) वर्ष 2020, 22, 2023 और 2024 में भूजल उपलब्धता (वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधन) का जिला-वार विवरण **अनुलग्नक-V** में दिया गया है।

(ग): जल राज्य का विषय है, इसलिए इसके संरक्षण सहित जल संसाधनों से संबंधित पहलुओं का अध्ययन, आयोजना, वित्त पोषण और कार्यान्वयन राज्य सरकारों द्वारा अपने संसाधनों और प्राथमिकताओं के अनुसार किया जाता है। जैसा कि जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा रिपोर्ट किया गया है, जल शक्ति विभाग, जम्मू और कश्मीर की सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग (पीएचई) विंग गुणवत्ता और मात्रा दोनों के संदर्भ में पर्याप्त और निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर समीक्षा करती है। मौसमी परिवर्तनों की प्रत्याशा में सक्रिय उपाय किए जाते हैं, तथा सर्दियों और गर्मियों की चुनौतियों के लिए तैयारी हेतु आवश्यक कदम उठाए जाते हैं। जल संकट की स्थिति में, पत्थर और मुथु बांधों के निर्माण के माध्यम से अनुपचारित जल को स्रोतों और जल आपूर्ति योजनाओं की ओर मोड़ दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, प्रभावित क्षेत्रों में टैंकर सेवाएं तैनात की गई हैं, वर्तमान में कश्मीर क्षेत्र में 82 विभागीय टैंकर सक्रिय हैं। संवेदनशील क्षेत्रों की सेवा के लिए अधिक टैंकरों को सक्रिय किया गया है। प्रभावी प्रतिक्रिया और समन्वय सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं, तथा समर्पित हेल्पलाइन सुविधाएं जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रही हैं।

सिंचाई के क्षेत्र में, कश्मीर में लगभग 98% सिंचित क्षेत्र सतही जल स्रोतों पर निर्भर हैं। कम वर्षा का प्राथमिक प्रभाव तिफ्ट सिंचाई योजनाओं में देखा जाता है, जिसके लिए कम जल स्तर की अवधि के दौरान कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए विभिन्न उपाय अपनाए गए हैं। इनमें जल के प्रवेश को सुगम बनाने के लिए पानी के इनटेक चैनलों की गाद निकालना और तटीकरण करना, अधिकतम जल संग्रहण के लिए अधिकतम जल के प्रवेश हेतु लोवसेट कन्ट्रूर पर होरिजनटल ड्राइट पंपों की स्थापना करना, तथा जल उठाने की क्षमता में सुधार के लिए सक्षण लाइनों का विस्तार करना आदि शामिल है। इसके अतिरिक्त, यदि आवश्यक हो, तो स्थिति की गंभीरता के आधार पर आपातकालीन आधार पर ड्राइट पंप स्थापित किए जाते हैं।

जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के दीर्घकालिक प्रभावों से निपटने के लिए जल शक्ति अभियान: कैच द रेन अभियान के तहत कई पहल शुरू की गई हैं। इनमें स्प्रिंग शेड विकास के माध्यम से झरनों का पुनर्जीवन और संरक्षण, जल संग्रहण में सुधार के लिए जलग्रहण क्षेत्र का उपचार, भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए जल निकायों का संरक्षण और पुनरुद्धार और स्थानीय जल उपलब्धता बढ़ाने के लिए वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना शामिल है। इन प्रयासों का उद्देश्य क्षेत्र में स्थायी जल प्रबंधन सुनिश्चित करना तथा जलवायु-जनित जल चुनौतियों से निपटने की क्षमता बढ़ाना है।

"जलवायु परिवर्तन के कारण कश्मीर में जल की कमी" के संबंध में दिनांक 27.03.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 4461 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

नवंबर 2023 और नवंबर 2024 के बीच कश्मीर में झरनों की डिस्चार्ज दरों की तुलना

क्र. सं.	स्थान	ज़िला	नवंबर 2023 के दौरान डिस्चार्ज दर (एलपीएम)	नवंबर 2024 के दौरान डिस्चार्ज दर (एलपीएम)
1	कॉलोनी बाग	बारामुला	120	30.36
2	चेश्माशाही	श्रीनगर	48	43.47
3	गोहबल	गंदरबल	600	720
4	टैगपोरा गिराज	गंदरबल	1200	3600
5	लार	गंदरबल	19.18	19.49
6	परिगम बाला	कुलगाम	28.9	16.71

"जलवायु परिवर्तन के कारण कश्मीर में जल की कमी" के संबंध में दिनांक 27.03.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 4461 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

तालिका 1. जल स्तर की गहराई से निरीक्षण कुओं के प्रतिशत का वितरण - अगस्त 2021

क्र.सं.	जिला	विश्लेषित कुओं की संख्या	जल स्तर तक की गहराई दिखाने वाले कुओं की संख्या (एमबीजीएल) की रेंज में								
			0 - 2		2 - 5		5 - 10		10 - 20		> 20
			संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या
1.	अनंतनाग	एन.ए.	एन.ए.	एन.ए.	एन.ए.	एन.ए.	एन.ए.	एन.ए.	एन.ए.	एन.ए.	एन.ए.
2.	बारामुला	19	10	52.6	9	47.4	0	0.0	0	0.0	0
3.	कुपवाड़ा	24	2	8.3	18	75.0	3	12.5	1	4.2	0
4.	गंदेरबल	1	0	0.0	0	0.0	1	100.0	0	0.0	0
5.	पुलवामा	3	1	33.3	0	0.0	1	33.3	1	33.3	0
6.	श्रीनगर	3	0	0.0	1	33.3	2	66.7	0	0.0	0
कुल		50	13	26.0	28	56.0	7	14.0	2	4.0	0
0.0											

* वर्ष 2020 के लिए निगरानी नहीं की गई। नवंबर, 2021 के डेटा की अनुपलब्धता के कारण वर्ष 2021 के लिए अगस्त 2021 का जल स्तर निगरानी डेटा प्रदान किया गया है।

तालिका 2. जल स्तर की गहराई से निरीक्षण कुओं के प्रतिशत का वितरण - 2022 के मानसून के बाद

क्र. सं.	जिला नाम	काविश्लेषित कुओं की संख्या	जल स्तर तक की गहराई दिखाने वाले कुओं की संख्या / संख्या/प्रतिशत (एमबीजीएल) की रेंज में									
			0 से 2		2 से 5		5 से 10		10 से 20		20 से 40	
			संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%
1	बारामुला	16	7	43.8	8	50.0	1	6.3	0	0.0	0	0.0
2	गंदेरबल	1	0	0.0	0	0.0	0	0.0	1	100.0	0	0.0
3	कुपवाड़ा	32	12	37.5	17	53.1	2	6.3	0	0.0	0	0.0
4	पुलवामा	2	1	50.0	0	0.0	0	0.0	1	50.0	0	0.0
5	श्रीनगर	3	0	0.0	1	33.3	2	66.7	0	0.0	0	0.0
कुल		54	20	37.0	26	48.1	5	9.3	2	3.7	0	0.0
1.9												

तालिका 3. जल स्तर की गहराई से निरीक्षण कुओं के प्रतिशत का वितरण - 2023 के मानसून के बाद 2023

क्र. सं.	जिला नाम	काविश्लेषित कुओं की संख्या	जल स्तर तक की गहराई दिखाने वाले कुओं की संख्या / संख्या/प्रतिशत (एमबीजीएल) की रेंज में									
			0 से 2		2 से 5		5 से 10		10 से 20		> 40	
			संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%
1	बांटीपुरा	4	0	0.0	4	100.0	0	0.0	0	0.0	0	0.0
2	बारामुला	22	6	27.3	15	68.2	1	4.5	0	0.0	0	0.0

3	गंदेरबल	2	0	0.0	1	50.0	1	50.0	0	0.0	0	0.0	0	0.0
4	कुपवाड़ा	44	11	25.0	25	56.8	8	18.2	0	0.0	0	0.0	0	0.0
5	पुलवामा	2	1	50.0	0	0.0	0	0.0	1	50.0	0	0.0	0	0.0
6	श्रीनगर	3	1	33.3	0	0.0	2	66.7	0	0.0	0	0.0	0	0.0
कुल		77	19	24.7	45	58.4	12	15.6	1	1.3	0	0.0	0	0.0

तालिका 4. मानसून पश्चात-2024 की अवधि के लिए जल स्तर की गहराई और कुओं के प्रतिशत का वितरण

क्र. सं.	जिला नाम	काविश्लेषित कुओं (एमबीजीएल) की संख्या	जल स्तर तक की गहराई दिखाने वाले कुओं की संख्या / संख्या/प्रतिशत											
			0 से 2		2 से 5		5 से 10		10 से 20		20 से 40		> 40	
			संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%
1	बांदीपुरा	1	0	0.0	1	100.0	0	0.0	0	0.0	0	0.0	0	0.0
2	बारामुला	19	3	15.8	14	73.7	2	10.5	0	0.0	0	0.0	0	0.0
3	गंदेरबल	1	0	0.0	0	0.0	0	0.0	1	100.0	0	0.0	0	0.0
4	कुपवाड़ा	37	11	29.7	19	51.4	7	18.9	0	0.0	0	0.0	0	0.0
5	पुलवामा	2	1	50.0	0	0.0	0	0.0	1	50.0	0	0.0	0	0.0
कुल		60	15	25.0	34	56.7	9	15.0	2	3.3	0	0.0	0	0.0

"जलवायु परिवर्तन के कारण कश्मीर में जल की कमी" के संबंध में दिनांक 27.03.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 4461 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

आईएमडी के अनुसार पिछले पांच वर्षों में कश्मीर घाटी में औसत वार्षिक वर्षा

	2020			2021			2022			2023			2024		
	वास्तविक	सामान्य	प्रस्थान												
अनंतनाग	658.8	967.4	-32	749.5	967.4	-23	817.4	967.4	-16	943.2	967.4	-3	641.9	967.4	-34
बड़गाम	446.5	717.1	-38	605.1	717.1	-16	665.2	717.1	-7	770.4	717.1	-34	654.5	717.1	-37
बांदीपुरा	394.8	774.1	-49	525.2	774.1	-32	476.8	774.1	-38	613.2	774.1	-21	523.7	774.1	-32
बारामुला	742.2	920.9	-19	976.2	920.9	6	916.0	920.9	-1	932.7	920.9	1	854.1	920.9	-7
गंदरबल	997.5	914.4	9	1076.5	914.4	18	650.3	914.4	-29	844.6	914.4	-8	605.0	914.4	-34
कुलगाम	967.6	1228.1	-21	1015.7	1228.1	-17	915.1	1228.1	-25	1095.6	1228.1	-11	771.6	1228.1	-37
कुपवाड़ा	1150.4	1057.1	9	839.2	1057.1	-21	725.6	1057.1	-31	750.5	1057.1	-29	803.0	1057.1	-24
पुलवामा	396.9	578.7	-31	582.6	578.7	1	536.8	578.7	-7	583.6	578.7	1	463.1	578.7	-20
शोपियान	93.0	806.9	-88	355.0	806.9	-56	287.2	806.9	-64	526.2	806.9	-47	185.0	806.9	-77
श्रीनगर	659.8	815.7	-19	943.4	815.7	16	801.4	815.7	-2	784.5	815.7	-4	683.6	815.7	-16
कश्मीर डिवीजन	650.8	878.0	-28.0	766.8	878.0	-12.4	679.2	878.0	-22.1	744.5	878.0	-15.4	598.6	878.0	-31.8

"जलवायु परिवर्तन के कारण कश्मीर में जल की कमी" के संबंध में दिनांक 27.03.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 4461 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

जिले-वार और यूटी जल बैलेंस

क्रं सं	जिले	कुल जल संग्रहण (एमसीएम में)	कुल जल मांग (एमसीएम में)	जल संतुलन, एमसीएम में	जल संतुलन % में
1.	अनंतनाग	19797.74	3161.2694	16636.474	84.03
2.	बड़गाम	9700.07	1204.8497	8495.223	87.58
3.	बांदीपुरा	16765.27	790.0909	15975.179	95.29
4.	बारामुला	14070.24	1640.6541	12429.586	88.34
5.	डोडा	16428.64	1027.4174	15401.221	93.75
6.	गंदरबल	11381.95	861.6488	10520.302	92.43
7.	जम्मू	19024.76	3259.9525	15764.804	82.86
8.	कथूआ	20086.88	2149.5665	17937.311	89.30
9.	किशतवाड़	66167.14	603.9559	65563.186	99.09
10.	कुलगाम	8393.56	251.5171	8142.038	97.00
11.	कुपवाड़ा	19252.41	2338.0238	16914.385	87.86
12.	पुंछ	9037.72	1275.9619	7761.759	85.88
13.	पुलवामा	7663.22	1288.3878	6374.827	83.19
14.	रजौरी	16838.14	1872.8412	14965.297	88.88
15.	रामबन	7792.46	849.3626	6943.093	89.10
16.	रियासी	16823.96	826.2856	15997.677	95.09
17.	सांबा	8595.36	1016.9488	7578.410	88.17
18.	शोपियान	6108.87	540.7966	5568.078	91.15
19.	श्रीनगर	10662.36	2510.7559	8151.601	76.45
20.	उथमपुर	19988.46	1403.8687	18584.592	92.98
21.	यूटी-जेके	324579.20	28874.1552	295705.0438	91.10

"जलवायु परिवर्तन के कारण कश्मीर में जल की कमी" के संबंध में दिनांक 27.03.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 4461 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

पिछले 5 मूल्यांकन वर्षों में कश्मीर की भूजल उपलब्धता पर जिले-वार डेटा

क्र.सं	जिला	वार्षिक निष्कर्षणीय भूजल संसाधन (एचएएम) 2020	वार्षिक निष्कर्षणीय भूजल संसाधन (एचएएम) 2022	वार्षिक निष्कर्षणीय भूजल संसाधन (एचएएम) 2023	वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधन (एचएएम) 2024
1	अनंतनाग	19597.06	24866.7	24866.7	12550.67
2	बांदीपुरा	3243.23	1177.37	1177.37	5839.38
3	बारामुला	51113.75	59583.81	57935.46	15441.85
4	बड़गाम	38062.45	28295.8	28295.8	4765.08
5	गंदरबल	2729.98	1009.45	1078.04	845.77
6	कुलगाम	8440.71	12439.42	12439.42	6130.63
7	कुपवाड़ा	30587.46	33284.46	33284.46	5623.96
8	पुलवामा	21462.88	25243.9	24779.16	6055.28
9	शोपियान	13500.79	16266.62	16266.62	6646.22
10	श्रीनगर	12884.35	10968.87	10434.92	10986.71
	कुल (एचएएम)	201622.66	213136	210563	74885.55
